>

Title: Regarding huge amount of money being charged from farmers by Railways for laying pipelines for irrigation under the railway tracks.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): सभापति महोदय, रेलवे विभाग के असंवेदनशील व्यवहार के संबंध में आपने मुझे अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद करता हूं। ...(व्यवधान) महोदय, देश के किसानों ने रेलवे विकास हेतु अपनी जमीनें बहुत मामूली दर पर रेल विभाग को दी थीं।...(व्यवधान) देश में तमाम जगहों पर रेल पटरियां बिछाने के दौरान किसानों के खेत दो भागों में बंट गए तथा किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई हेतु बहुत कठिनाई होने लगी।...(व्यवधान) जब किसानों ने इस संबंध में रेलवे से गुहार लगाई तथा कृषि की सिंचाई हेतु रेल लाइन के नीचे एक पतली पाइप डालने का अनुरोध किया तो रेल विभाग ने नादिरशाही रवैया अपनाते हुए गरीब किसानों को इसकी एवज में भारी भरकम एस्टीमेट दे दिया जो गरीब किसानों के लिए चुका पाना अत्यंत मुश्किल है।...(व्यवधान) इस एस्टीमेट में सुपरविजन चार्जेस, डीनजी चार्जेस, डिपार्टमेंटल चार्जेस तथा निरीक्षण चार्जेस के अलावा कई चार्जेस शामिल करके भारी भरकम धनराशि का चिट्ठा गरीब किसानों को थमा दिया गया है।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री से अनुरोध करता हूं कि इस समस्या को तत्काल संज्ञान में लेकर किसानों को अन्याय से मुक्ति दिलाने का कार्य करें। यह वही किसान हैं जिन्होंने मामूली दर पर अपनी जमीनें रेलवे विकास हेतु सरकार को सौंपी थी।...(व्यवधान) इसलिए रेलवे को भी विकास हेतु उनके साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए इस एस्टीमेट को तुंत वापिस लेकर किसानों को एक पतली पाइप लाइन डालने में सहयोग करना चाहिए। ..(व्यवधान)